''बदलते समय में नारीवादी आंदोलन के समझ चुनौतियां''

प्रिय साथियों,

पिछले कई सालों से जागोरी नियमित रूप से जेन्डर कार्यशालाओं का आयोजन करती आ रही है। इन कार्यशालाओं में देश की विभिन्न महिला संस्थाएं, गैर सरकारी संगठन, सामुदायिक संगठन व शिक्षण संस्थान अपनी भागीदारी निभाते आये हैं। उनके अनुभवों एवं विचारों से ये कार्यशालाएं समृद्ध व मज़बूत हुई हैं। इन प्रशिक्षणों के दौरान हम विभिन्न सत्तात्मक ढांचों को नारीवादी नज़रिए से सोचने,समझने व परखने का प्रयास करते रहे हैं। इन कार्यशालाओं ने सीखने–सिखाने और सहभागिता का एक ऐसा मंच तैयार किया है जहाँ जेन्डर व नारीवाद जैसी अवधारणाओं पर समझ विकास तथा इन अवधारणाओं से जुड़ी व्यवहारिक और सार्थक रणनीतियाँ तैयार की जा सकें।

इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए जागोरी **24 अप्रैल से 28 अप्रैल, 2012** को एक जेंडर कोर्स का आयोजन करने जा रही है। यह कोर्स उन साथियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है जो इन मुद्दों पर अपने एक्टिविज़म से समाज में भी नई सोच बढ़ाते हैं व साथ ही साथ निजी जीवन में भी बदलाव लाए हैं। इस कोर्स का मूल विषय असमानता के कारण व इन्हें बदलने तथा जेंडर समानता की अवधारणा पर केन्द्रित है। हमारा प्रयास रहा है कि इस कोर्स को समकालीन विकास क्षेत्रों में चल रही बहस से भी जोड़ा जाए और राजनैतिक तौर पर एक नारीवादी नज़रिए का विकास किया जाए।

2012 जेंडर कोर्स की पृष्ठभूमि

पिछले कुछ वर्षों में विश्व पटल पर आर्थिक विकास दरों के सूचक में भारत की आर्थिक स्थितियां तेजी से मजबूत हुई हैं, परन्तु इसके मानव विकास का सूचकांक एक भिन्न कहानी कहता है। गरीबी, महिला हिंसा और हाशियों पर जीने वाले समुदायों तक विकास के लाभ नहीं पहुंच पा रहे। हालांकि विकास के सूचकांक दावा करते हैं कि महिलाओं को पहले के मुकाबले ज़्यादा कानूनी अधिकार मिले हैं, परन्तु अभी भी उनमें प्रशासनीक /सरकार व सामाजिक तौर पर बहुत सी कमियां हैं जिनके रहते महिलाओं का सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक सशक्तिकरण वास्तविक व पूर्णरूप से नहीं हो पाया है।

सामाजिक असुरक्षा का महिला हिंसा के साथ गहरा जुड़ाव देखने को मिलता है। घर और बाहर दोनों जगह ही महिला हिंसा दिनोंदिन बढ़ रही है। घटता लिंग अनुपात पूरे भारत के लिए विकराल समस्या बनकर उभरा है,

जिसमें पुरुष प्रधानता की गहरी सोच के आलावा आधुनिक विज्ञान का भी हाथ है जो हमें लगातार मेडिकल तकनीकों के द्वारा हम औरतों के शरीर पर अप्रत्यक्ष तौर पर हमला कर रहा है व इसमें गहरा योगदान दें रही है ये बढ़ती मुनाफाखोरी जैसी सोच ।

महिलाओं के खिलाफ़ बढ़ती घेरलू हिंसा आज के दौर में महिला मृत्यु का मुख्य कारण बन कर सामने आ रही है व कम उम्र में शादी कर देना । बाजार वाद जिस तेजी से फैल रहा है व उपभोक्तावाद उसमें अपने पैर जमाता चला जा रहा है जिस का एक नतीजा दहेज की बढ़ती मांग के रुप में देख सकतें हैं इसके साथ बाजार वाद ने महिलाओं को लगातार वस्तु के तौर इस्तेमाल व पैश किया है इसके उदाहरण आप को अपनी रोजमर्रा के जीवन में मिल जाएंगी। यौनिक उत्पीड़न व बलात्कार जैसी घटनाओं के कारण महिलाओं में लगातार असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में महिला और पुरूषों की सामाजिक छवियां तेजी से बदल रही हैं। महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा का जुड़ाव कुंठित मर्दानगी से भी है जो औरतों की बदलती और सशक्त होती तस्वीर से जुड़ी है। शिक्षा और समाज के अन्य क्षेत्रों में महिलाएं जिस तरह से अपनी काबलियत का प्रदर्शन कर रही हैं उससे पितृसत्तात्मक मूल्यों पर करारी चोट पहुंची है। विकास के सभी मानदंडों ने अब यह माना है कि जेंडर आधारित भेदभाव और गैरबराबरी महिला सशक्तिकरण और देश के विकास में सबसे बड़ी रुकावट है।

उद्देश्यः

- जेन्डर व नारीवादी अवधारणाओं पर समझ बनाना।
- समाज की सत्तात्मक संरचनाओं में व्याप्त गैरबराबरी व उससे कुछ वर्गों के सीमान्तीकरण की राजनीति को नारीवादी नज़रिए समझना।
- शहरी विकास के संदर्भ में नारीवादी सोच के साथ यह समझ बढ़ाना कि महिलाओं के क्या अधिकार व हित हैं तथा उनका हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।
- विकास के मौजूदा मॉडल का जेन्डर संवेदनशील नज़रिए से विश्लेषण करना और विकल्प की रणनीति बनाना।
- कार्यकर्ताओं के बीच मज़बूत नेटवर्किंग स्थापित करना।

प्रशिक्षण किसके लिए

- विभिन्न स्तरों पर जेंडर समानता व महिला हिंसा के विरुद्ध संघर्षरत् महिला व पुरुष कार्यकर्ता, शोधकर्ता , महिला कार्यक्रमों से जुडे कार्यकर्ता, जिन्हें–
  - समुदाय के साथ कम से कम 4 से 5 वर्षों के काम का अनुभव हो।
  - मानव संसाधन व क्षमता विकास कार्यक्रम से जुड़े हों।

प्रशिक्षण की भाषा

प्रशिक्षण की भाषा मुख्यतः हिन्दी होगी। इस प्रशिक्षण में वे प्रतिभागी भी शामिल हो सकते हैं जिन्हें हिन्दी बोलने व समझने में कोई दिक़्क़त ना आती हो।

प्रशिक्षण की कार्य प्रणाली

प्रशिक्षण के तरीके प्रतिभागियों के अनुभवों व उनकी निःसंकोच भागीदारी से प्रेरित होंगे। इसके अलावा समूह चर्चा, भाषण, गीत, अपने खट्टे–मीठे अनुभव और खुशनुमा वातावरण।

आवेदन प्रकियाः आवेदन पत्र भरकर हमें training@jagori.org पर मेल कर दें। आवेदन भेजने की अंतिम तिथी–30 मार्च 2012 । आप हमें इन फोन नम्बर पर भी सर्म्पक कर सकतें हैं–01126691219,01126691220 या फिर श्रुति से सर्म्पक करें–09873126123

यह जेंडर कोर्स फ्री है लेकिन सहभागियों को अपना यातायात भत्ता स्वं या जिस संस्था से आ रहें हैं को उठाना होगा।